# अनुक्रम

**एनडीटीवी**

9 विनोद दुआ : जी हुज़ूरी के विरुद्ध

11 कमाल खान : कैसा होता है हज

21 कादम्बिनी शर्मा : गुर्जर आन्दोलन—पाँच लाशों में एक लाश उसके पति की भी थी

26 मनोरंजन भारती : मुम्बई हमले की वह काली रात

29 रवीश कुमार : दलित अपार्टमेंट की कहानी

34 निखिल नाज : सॉफ्ट स्टोरी करना कम चुनौतीपूर्ण काम नहीं

**आजतक**

37 शिखा : ऐश-अभिषेक का विवाह—टीवी युग की सबसे बड़ी शादी

42 विक्रान्त गुप्ता : हरभजन सिंह का मंकीगेट प्रकरण

48 अजय कुमार : आतंकवादियों से आँखों देखी मुठभेड़

56 शम्स ताहिर खान : एक आतंकवादी का घर

59 सुमित अवस्थी : जब देश की संसद पर हुआ हमला

**स्टार न्यूज़**

63 दीपक चौरसिया : इराक—अगले क़दम पर मौत खड़ी थी

65 शीला रावल : कैसे हुआ था दाऊद की बेटी का रिसेप्शन

71 विजय विद्रोही : एक सौ दस साल बाद गाँव में आयी पहली बारात

81 जितेन्द्र दीक्षित : मुम्बई हमले का मिनिट टु मिनिट ब्योरा

111 शिवेन्द्र कुमार सिंह : सरहद पार की यादें वाया हुस्ना

121 पंकज झा : उड़ीसा—पारुल नाम था उस औरत का

125 ब्रजेश कुमार सिंह : सूरत—बाढ़ के वे पाँच दिन

**आईबीएन**

137 प्रबल प्रताप सिंह : अफ़गानिस्तान—अमेरिका बूम बूम टुडे
143 स्मिता शर्मा : दिल्ली-लाहौर बस सेवा की बहाली

**ज़ी न्यूज़**

147 अलका सक्सेना : हत्या से ठीक पहले बेअन्त सिंह ने कहा था टेरेरिज़्म... कित्थे ऐ टेरेरिज़्म
153 दिलीप तिवारी : सरबजीत की हक़ीक़त
157 श्रीकान्त प्रत्यूष : बिहार—गाड़ी में जलाकर मार दो
159 शैलेश रंजन : धर्म, अधर्म और राजधर्म

**आलेख**

165 विजयमोहन सिंह : आज के संचार माध्यमों के पहले सिद्धान्तकार मार्शल मैक्लुहान
174 पुण्यप्रसून वाजपेयी : रजनीति और बाज़ार का कॉकटेल
181 कैलाश वाजपेयी : रूपर्ट का काला जादू
185 प्रांजल धर : चुनौतियों से घिरा टेलीविज़न पत्रकार
195 सुभाष शर्मा : कैसा दिखता है इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भारतीय समाज
205 रवीश रंजन शुक्ला : मौत के पंजों से छुड़ाकर लायी सेना
215 अखिलेश शर्मा : कारगिल—उस हौसले की कोई मिसाल नहीं थी
222 सुशील सिद्धार्थ : आस्था का बाज़ारीकरण
227 राजीव रंजन : आतंक और डर भी फैलाता है मीडिया
232 विनीत कुमार : क्या है टेलीविज़न का अर्थशास्त्र